C M Y K

Web: www.uttaranchaldeep.com

Email-uttaranchaldeep@gmail.com

सूर्यास्त
उत्तराखण्ड में गुरुवार
सायं 5:40 बजे

सूर्योदय
उत्तराखण्ड में शुक्रवार
सुबह 7:15 बजे

सांध्य दैनिक

उत्तरांचल दीप

सबके हाथ सच के साथ

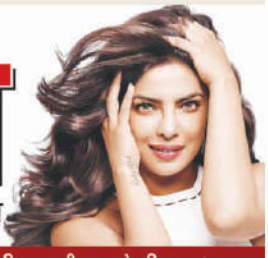

हल्द्वानी | वर्ष 18 अंक 187 पृष्ठ 4 मूल्य 1.00 रु. | गुरुवार, 15 जनवरी 2026

अपने परिवार की रक्षा के लिए...पेज-3 पर

News कॉर्नर

महिला ने अपने पुत्र की बरामदगी की गुहार लगाई

हल्द्वानी। एक महिला ने अपने पुत्र की गुमशुदगी की तहरीर पुलिस को सौंपते हुए उसकी सहकुशल बरामद की गुहार लगाई है पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है इंदिरा नगर ठोकर निवासी शायदा पत्नि करामत ने कोतवाली बनभूलपुरा में अपने 13 वर्षीय पुत्र मो0 अली के गुम होने की सूचना दर्ज कराई है। सौंपी तहरीर में महिला ने पुलिस को बताया कि उसका पुत्र मो0 अली दिनांक 13. जनवरी र रात्री लगभग 08:00 बजे घर से बिना बताये कही चला गया था और तब से वापस नहीं आया है। जिसकी काफी खोज बिन की जिसका कही पता नहीं चल सका। शायदा ने पुलिस को बताया कि उसने व उसके परिजनों ने अपने स्तर से काफी तलाश किया लेकिन मो0 अली का कही पता नहीं चला है। महिला ने पुलिस से अपील की है कि मो0 अली को खोजने में मदद करें। कोतवाली बनभूलपुरा ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और मो0 अली को खोजने के लिए प्रयास में जुट गई है।

प्रदेश में दो दिन बाद बारिश-बर्फबारी के आसार

देहरादून। इस सीजन बारिश-बर्फबारी न होने से सूखी ठंड मैदान से लेकर पहाड़ तक खूब परेशान कर रही है। उधर मौसम वैज्ञानिकों ने प्रदेश के पर्वतीय इलाकों में दो दिन बाद मौसम बिगड़ने की संभावना जताई है। इसके चलते प्रदेशभर में दिन के अधिकतम तापमान में भी गिरावट देखने को मिल सकती है। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार आज प्रदेशभर में मौसम शुष्क रहेगा। हालांकि मैदानी जिले देहरादून, ऊधमसिंह नगर व हरिद्वार समेत नैनीताल, चंपावत और पौड़ी में घना कोहरा छाए रहने का येलो अलर्ट जारी किया गया है। जबकि 16 से 19 जनवरी के बीच उत्तरकाशी, चमोली, पिथौरागढ़ जिले के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश होने की संभावना है। साथ ही 3400 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी के भी आसार हैं।

गणतंत्र दिवस शिविर-2026 में सीनियर कैडेट कैप्टेन निष्ठा को मुख्य सेना प्रमुख से मिला सम्मान

नैनीताल

हमारे संवाददाता

कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसबी परिसर नैनीताल के विधि संकाय की एनसीसी नेवी विंग की सीनियर कैडेट कैप्टेन निष्ठा जोशी ने प्रतिष्ठित गणतंत्र दिवस शिविर (आरडीसी)2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय तथा उत्तराखंड को गौरवान्वित किया है।

एनसीसी ऑफिसर सब लेफ्टिनेंट प्रो. रीतेश साह ने बताया कि सीनियर कैडेट कैप्टेन निष्ठा जोशी को भारतीय सेना के चीफ आफ द आर्मी स्टाफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी (पीवीएसएम-एवीएसएम) द्वारा समारोहिक पिन प्रदान किया गया तथा उनकी उत्कृष्ट ब्रिफिंग क्षमता एवं नेतृत्व कौशल के लिए उन्हें व्यक्तिगत रूप से प्रशंसा प्राप्त हुई। प्रो. साह के मुताबिक गणतंत्र दिवस शिविर प्रतिवर्ष नई दिल्ली में

आयोजित किया जाता है और यह आयोजन देश का सबसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम है जिसमें भारतीय रक्षा सेनाओं के साथ एनसीसी के तीनों विंग्स (थल सेना/ नौसेना एवं वायुसेना) के चयनित कैडेट भाग लेते हैं। इस शिविर में चयन अत्यंत कठिन मूल्यांकन प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है जिसमें नेतृत्व क्षमता/ ड्रिल/ अनुशासन/ व्यक्तित्व विकास एवं सांस्कृतिक प्रस्तुति का व्यापक मूल्यांकन होता है। कैडेट निष्ठा जोशी की यह अहम कामयाबी कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल में दी जा रही उत्कृष्ट एनसीसी प्रशिक्षण का प्रत्यक्ष प्रमाण है तथा यह कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल एवं उत्तराखंड के लिए अत्यंत गर्व का विषय है।

इस गौरवपूर्ण कामयाबी पर कुमाऊं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत ने अपनी शुभकामनाये देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय परिवार को विश्वास है कि एनसीसी कैडेट भविष्य में भी राष्ट्रसेवा एवं नेतृत्व के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करेंगे व विश्वविद्यालय तथा क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे। इस अवसर पर कमांडिंग ऑफिसर 05 यूके नेवल एनसीसी कैप्टन मृदुल साह, एकस ओ ले. कमांडर अनिल मन्हास, निदेशक डीएसबी परिसर प्रो. नीता बोरा शर्मा, कुलसचिव डॉ. एम. एस. मंद्रवाल, वित्त अधिकारी कमलेश भंडारी समेत प्रो. संजय पंत, प्रो. संतोष कुमार, प्रो. एन. जी. पाहू, प्रो. चंद्रकला रावत, प्रो. वीना पांडे, प्रो. चित्रा पाण्डे, प्रो. एल. एस. लोधियाल, प्रो. एच. सी. एस. बिष्ट, प्रो. ललित तिवारी, प्रो. कुमुद उपाध्याय, डॉ॰ ऋशेन्द्र एवं परिसर के संकाय सदस्यों, कार्मिकों व अन्य कैडेट्स तथा छात्र-छात्राओं ने कैडेट निष्ठा जोशी को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ प्रदान कीं हैं।

सिलिंडर फटने से मकान में आग भड़की

सिरमौर के तलांगना में भीषण अग्निकांड, छह लोग जिंदा जले

हिमाचल

एजेंसी

हिमाचल प्रदेश के अर्की के बाद जिला सिरमौर के नौहराधार की चंडूरी पंचायत के तलांगना गांव में देर रात भीषण अग्निकांड हुआ है। अग्निकांड में मकान के अंदर सो रहे तीन बच्चों सहित छह लोग जिंदा जल गए हैं। एक व्यक्ति को सुरक्षित बचाया गया गया है। सूचना मिलते ही दमकल और पुलिस की टीम मौके के लिए रवाना हुई। बताया जा रहा है कि एलपीजी सिलिंडर फटने से मकान में आग भड़क गई।

एसडीएम संगड़ाह सुनील कायथ ने पुष्टि करते हुए बताया कि एक व्यक्ति को घायल अवस्था में रेस्क्यू किया गया है। पुलिस के अनुसार अग्निकांड में विजय सिंह, भीम सिंह व मीन सिंह के घर जलकर राख हो गए। इंद्रा देवी पत्नी स्वर्गीय यशवंत सिंह का घर भी जलकर राख हो गया। इस दर्दनाक हादसे में माघी त्योहार मनाने मायके आईं इंद्रा की दो बेटियां, उनके तीन बच्चे और एक दामाद

की जिंदा जलकर मौत हो गई। जबकि दूसरा दामाद घायल है।

मृतकों की सूचीः (1) नरेश कुमार(50) पुत्र दुर्गा राम निवासी गांव टपरोली (दामाद)। (2) तृप्ता(44) पत्नी नरेश कुमार निवासी गांव टपरोली नौहराधार(बेटी)। (3) कविता(36) पत्नी लोकेंद्र निवासी गांव कुमड़ा जिकनीपुल नेरवा(बेटी)। (4) कृतिका(13) पुत्री लोकेंद्र निवासी गांव विजर देवत नेरवा जिला। (5) सारिका(13) पुत्री लोकेंद्र निवासी गांव विजर। (6) कार्तिक(3) पुत्र लोकेंद्र निवासी गांव विजर।

अचानक धुआं फैला और रसोई में जोरदार धमाका हुआः दूसरा दामाद लोकेंद्र(42) पुत्र जोगेंद्र सिंह निवासी गांव विजर अग्निकांड में घायल हुआ है जिसका सीएचसी नौहराधार में उपचार चल रहा है। लोकेंद्र ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि वह अपने ससुराल गांव तलांगना में माघी पर्व में अपनी पत्नी-बच्चों के साथ गया था। साथ ही साली व उसका पति भी आए थे। बुधवार रात करीब 11:00 बजे सभी लोग खाना खाकर सो गए। इसके बाद सुबह करीब 3:00 बजे कमरे में धुआं फैल गया और रसोई में जोरदार धमाका हुआ।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ज्योति अधिकारी जेल से रिहा, हाथ जोड़े और फिर कार से घर के लिए रवाना

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

आखिर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ज्योति अधिकारी जेल से रिहा कर दिया गया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) न्यायालय ने उनकी जमानत याचिका स्वीकार कर ली थी, हालांकि प्रक्रियात्मक कारणों से उन्हें एक दिन और जेल में रहना पड़ा।

आज सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद उनकी रिहाई संभव हो सकी। लगभग साढ़े पांच बजे उनकी उप कारागार से रिहाई हो गई है। रिहाई के बाद उन्होंने कोर्ट की ओर हाथ जोड़े और फिर कार से घर के लिए रवाना हुईं। इस दौरान वह मायूस भी दिखीं। गौरतलब है कि ज्योति अधिकारी के खिलाफ जूही चुफाल की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। उन पर उत्तराखंड की महिलाओं और लोक देवताओं को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करने तथा एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान दरांती लहराने के आरोप लगे थे। पुलिस ने आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर 8 जनवरी को उन्हें न्यायिक

हिरासत में जेल भेजा था। ज्योति अधिकारी के खिलाफ प्रदेश के विभिन्न थानों में तीन से चार अन्य मामले भी दर्ज बताए जा रहे हैं, जिस कारण उनकी रिहाई में देरी हुई। आज खटीमा गए वकीलों द्वारा कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई। वर्तमान मामले में अदालत ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद उन्हें जमानत प्रदान की। जमानत और रिहाई की खबर के बाद उनके परिवार और समर्थकों में खुशी का माहौल है।

वाहनों के शीशे तोड़कर चोरी की वारदात को दिया अंजाम

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

नगर में चोरियों का सिलसिला लगातार जारी है। मंगलवार रात चोरों ने शहर के अलग-अलग इलाकों में कई वाहनों के शीशे तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

दोनहरिया और किशोरी विहार इलाके में चोरों ने कई गाड़ियों के शीशे तोड़े और अंदर रखे सामान पर हाथ साफ किया। चोरों ने लैपटॉप समेत अन्य कीमती सामान भी चोरी कर लिए।

स्थानीय लोगों ने इन घटनाओं की सूचना पुलिस को दी। घटना का खुलासा सीसीटीवी फुटेज में हुआ है, जिसमें दो चोर स्पष्ट रूप से कैद हुए हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। यह मामला कोतवाली के भोटिया पड़ाव चौकी क्षेत्र का है। शहरवासियों में चोरी की इन घटनाओं को लेकर भय का माहौल है और लोग पुलिस से सुरक्षा बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। उधर इंडियन पूर्व गोला बाईपास पर खड़े डंपरों के ताले तोड़कर उनके बैटरी पर कर लिए थे डंपर चालकों ने बनभूलपुरा कोतवाली पुलिस को तहरीर सौंप कर कार्रवाई की मांग की थी। हालांकि पुलिस में तैयारी तो ले ली लेकिन चोरों को पकड़ना तो दूर ढूंढने में भी नाकाम साबित हुई है ऐसे में लोगों का पुलिस के ऊपर से विश्वास उठता जा रहा है।

माघ पर्व पर संगोष्ठी एवं रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

महिला महाविद्यालय हल्द्वानी में नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत माघ पर्व को गरिमामय एवं प्रेरणादायी वातावरण में मनाया गया। नमामि गंगे के नोडल अधिकारी डॉ. तुषार पंत ने नमामि गंगे अभियान के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि माघ पर्व के उपलक्ष्य में जल संरक्षण एवं माघ पर्व की महत्ता पर संगोष्ठी,चित्रकला प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, मेहंदी प्रतियोगिता तथा रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिनमें छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्राओं ने माघ पर्व की सांस्कृतिक महत्ता, गंगा की पवित्रता, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के संदेश को रचनात्मक अभिव्यक्ति के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन छात्राओं की रचनात्मक क्षमता को निखारने के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों से जोड़ने का कार्य करते हैं। संगोष्ठी में प्राचार्य प्रो. आभा शर्मा ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि महाविद्यालय का दायित्व केवल शैक्षणिक ज्ञान प्रदान करना ही नहीं, बल्कि छात्राओं को संस्कारवान, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनाना भी है। उन्होंने कहा कि माघ पर्व जैसे सांस्कृतिक आयोजन छात्राओं को अपनी परंपराओं से जोड़ते हैं और उनमें प्रकृति एवं जल संसाधनों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करते हैं। प्राचार्य ने नमामि गंगे अभियान की सराहना करते हुए कहा कि यह अभियान जनभागीदारी के बिना सफल नहीं हो सकता और युवा शक्ति इसकी सबसे मजबूत आधारशिला है। उन्होंने छात्राओं की सहभागिता और रचनात्मक प्रस्तुतियों की प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों को निरंतर आयोजित करने की बात कही। रंगोली प्रतियोगिता में ईशा मेहरा ने प्रथम स्थान शिप्रा ने द्वितीय स्थान तथा भवना कश्यप, प्रियंका कांडपाल और भूमिका रौतेला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, मेहंदी प्रतियोगिता में प्रियंका कांडपाल ने प्रथम स्थान, ईशा मेहरा ने द्वितीय स्थान तथा भूमिका रौतेला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, पोस्टर प्रतियोगिता में अंजलि ने प्रथम स्थान, दीपिका रावत ने द्वितीय स्थान तथा शिप्रा गोस्वामी, दीपा कोरंगा, सुहावनी और बरखा मेहता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, निबंध प्रतियोगिता में करिश्मा रौतेला ने प्रथम स्थान, खुशी बिष्ट ने द्वितीय स्थान तथा भावना पंतोला, प्रियंका कांडपाल और दीपिका कोरंगा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. गीता पंत द्वारा किया गया। निर्णायक मंडल में डॉ0 हिमानी तथा डॉ0 प्रभा साह रहे। इस अवसर पर डॉ. फकीर सिंह, डॉ. रेखा जोशी, डॉ0 विवेक, यशोधर आदि उपस्थित रहे।

लोक संस्कृति का संरक्षण सभी की जिम्मेवारी: विकास शर्मा

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

गंगापुर रोड शैल भवन में शैल सांस्कृतिक समिति के तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय उत्तरायणी महोत्सव बुधवार को देर शाम तक चला। महोत्सव के दूसरे दिन मुख्य अतिथि पहुंचे महापौर विकास शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रमों का विधिवत शुभारंभ किया।

उन्होंने कुमाऊनी और गढ़वाली लोक संस्कृति की जीवंत प्रस्तुतियों की सराहना की। इस मौके पर महापौर ने लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत पर गहरा प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संस्कृति और लोक परंपराएं किसी भी समाज की आत्मा होती हैं। शैल परिषद द्वारा आयोजित यह उत्तरायणी महोत्सव केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि हमारी प्राचीन सभ्यता को संरक्षित करने और उसे अगली पीढ़ी तक हस्तांतरित करने का एक पावन यज्ञ है। आज के आधुनिक युग में, जब पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव बढ़ रहा है, ऐसे आयोजन हमारी युवा पीढ़ी को अपनी समृद्ध जड़ों और गौरवशाली इतिहास से रूबरू कराने का बेहतरीन अवसर प्रदान करते हैं। रुद्रपुर लघु भारत की एक सुंदर तस्वीर पेश करता है। यहां तराई की मिट्टी विभिन्न संस्कृतियों को एक सूत्र में पिरोने का काम करती है। उत्तरायणी हो लोहड़ी हो या कोई अन्य पर्व, यहां सभी समाज के लोग मिलकर इसे मनाते हैं, यही हमारी असली पहचान और ताकत है। लोक परंपराओं का यह संरक्षण ही समाज में नैतिकता और भाईचारे की भावना को जीवित रखता है। सीएम धामी प्रदेश में संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन पर विशेष रूप से ध्यान दे रहे हैं। महोत्सव के दूसरे दिन विभिन्न स्कूलों के बच्चों और लोक कलाकारों ने कुमाऊनी संस्कृति पर आधारित झोड़ा, चांचरी और छोलिया नृत्य की शानदार प्रस्तुतियां दीं। बच्चों द्वारा पारंपरिक परिधानों में सज्ज होकर दी गई प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आयोजन समिति ने महापौर और अन्य विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया इस दौरान पूर्व मेयर रामपाल सिंह,अनिल चौहान,दिवाकर पांडे, डॉ. किशोर चंदोला,कमलेंद्र सेमवाल, सुरेश परिहार,भरत लाल शाह,गोपाल सिंह पटवा, हेमंत बिष्ट, डीके दनाई, पीसी शर्मा, भास्कर जोशी, मुकुल उप्रेती, डॉ. एलएम उप्रेती, सतीश लोहनी, लीलाधर जोशी, विजय भूषण गर्ग, पूरन चंद जोशी, नरेंद्र रावत, सीबी घिंडियाल, प्रकाश जोशी, महेश कांडपाल,डीडी गुणवन्त,धीरज पांडे आदि मौजूद रहे।

NEWS / फटाफट

पंजाबी महासभा ने किया शोक सभा का आयोजन

नैनीताल । पंजाबी महासभा नैनीताल द्वारा बुधवार को पत्रकार, रंगकर्मी एवं अधिवक्ता रितेश सागर की अल्पायु में आकस्मिक मृत्यु पर शोक सभा की गयी जिसमें दो मिनट का मौन रख कर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करने हेतु प्रार्थना की गयी एवं इस क्षति को उनके घर वालों को सहन करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना की गयी। महासभा की तरफ शोक सभा में प्रवीण शर्मा, राजीव गुप्ता, सुमित खन्ना, सतीश गुप्ता, अमरप्रीत सिंह तथा सुमित भुल्लर आदि शामिल हुए।

राज्य आंदोलनकारी गुरुरानी ने तहसीलदार पिंकी को जोड़ा पौधरोपण अभियान से

नैनीताल । राज्य आंदोलनकारी दिनेश गुरुरानी द्वारा राज्य में चलाया जा रहा अनूठा पौधारोपण अभियान बुधवार को 547वें दिन भी जारी रहा। पौधारोपण अभियान के 547वें दिन डीडीहाट में तहसीलदार पिंकी आर्य ने पौधारोपण अभियान से जुड़ते हुए तहसील परिसर में पौधा रोपण किया। दिनेश गुरुरानी ने कहा कि डीडीहाट क्षेत्र की समस्या के समाधान हेतु उनके द्वारा वार्ता की गई। दिनेश गुरुरानी ने कहा कि उनका पौधारोपण अभियान जारी रहेगा।

पुलिस ने वाहन स्वामी और चालक के खिलाफ दर्ज किया मुकदमा

रुद्रपुर। कोतवाली पंतनगर क्षेत्र के अंतर्गत ओमेक्स रिवेरा सोसायटी में एक नाबालिग द्वारा लापरवाही से कार चलाते हुए पैदल चल रहे युवक को टक्कर मार दी। इससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। घायल युवक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर वाहन स्वामी और चालक के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक ओमेक्स रिवेरा सोसायटी निवासी चिंतन शर्मा ने पुलिस को तहरीर दी। तहरीर में बताया कि 11 जनवरी 2026 की शाम करीब सवा छह बजे वह सोसायटी की आंतरिक सड़क पार कर रहे थे। उसी समय पीछे से आ रही तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार जोरदार टक्कर मार दी। पीड़ित का आरोप है कि उक्त वाहन को सोसायटी के ही निवासी अमित छाबड़ा का नाबालिग पुत्र चला रहा था। टक्कर इतनी भीषण थी कि चिंतन शर्मा के सिर और कमर के निचले हिस्से में गंभीर चोटें आईं। दुर्घटना के तुरंत बाद उन्हें उपचार के लिए रुद्रपुर के नारायणा अस्पताल में भर्ती कराया है। पीड़ित ने तहरीर में बताया कि आवासीय सोसायटी के भीतर अत्यधिक गति से वाहन चलाना और नाबालिग को चाबी सौंपना कानून का स्पष्ट उल्लंघन है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर वाहन स्वामी और संबंधित पक्षों के खिलाफ विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है। पुलिस मामले की जांच के लिए सोसायटी में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है।

वाहन की टक्कर से व्यक्ति गंभीर

हल्द्वानी। अज्ञात वाहन की टक्कर से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया जिसकी उपचार के बाद मौत हो गई उसकी पत्नी ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ तहसील सौंप कर मुकदमा दर्ज कराया है पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है। चोर गलियां थाना पुलिस को तहरीर सौंप कर गोविंदपुर ग्राम चोरगलिया निवासी ममता ने पुलिस को सौंपी तहरीर में कहा है की उसका 38 वर्षीय पति जगदीश 16 दिसंबर की रात्रि को सिडकुल में कार्य करने के बाद घर वापस आ रहा था तभी किसी अज्ञात वाहन ने उसे कड़ापानी गेट के समीप टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे उपचार के लिए सुशीला तिवारी अस्पताल में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसकी पत्नी ममता ने थाना चोरगलिया में अज्ञात वाहन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है ममता ने बताया कि उसने अपने पति के शव का दाह संस्कार किया और अब पुलिस से न्याय की अपील की है। थाना चोरगलिया पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और अज्ञात वाहन के चालक के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है।

दो आदमखोर तेंदुए वन विभाग ने पकड़े, भेजा रानीबाग रेस्कयू सेंटर

नैनीताल

हमारे संवाददाता

नैनीताल जिले के धारी व रामगढ़ विकास खंडों में आतंक का पर्याय बन चुके दो तेंदुओं को वन विभाग ने पकडने में कामयाबी हासिल की है। बता दें धारी विकास खंड के कुलोरी गांव के खुटियाखाल में एक महिला को मारने वाले तेंदुए के बाद से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ था, बुधवार को वन विभाग की टीम ने दोनों तल्ली क्षेत्र और रामगढ़ के बिचखाली में दो तेंदुओं को पकडने के बाद रेस्कयू सेंटर रानीबाग भेजा गया है। डीएनए सैंपल रिपोर्ट आने के बाद ही आदमखोर तेंदुए की पुष्टि हो पाएगी। से पकड़े गए तेंदुओं का डीएनए सैंपल जांच के लिए भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट के बाद ही पता चल पाएगा की पकड़े गये तेंदुएं ही आदमखोर है या नहीं? विधायक राम सिंह कैड़ा ने मौके पर पहुंचकर अधिकारियों से क्षेत्र में गश्त जारी रखने को कहा है साथ ही पिंजरे लगाए रखने को कहा है।

दूसरी ओर नैनीताल वन प्रभाग के प्रभागीय वनाधिकारी आकाश गंगवार के मुताबिक दो तेंदुओं को पकडने के बाद रेस्कयू सेंटर रानीबाग भेजा गया है। डीएनए सैंपल रिपोर्ट आने के बाद ही आदमखोर तेंदुए की पुष्टि हो पाएगी।

द हिमालयन व्हिस्परिंग्स पुस्तक में राजनिति विज्ञान सहायक प्राध्यापक शीतल आर्या का लेख प्रकाशित

नैनीताल

हमारे संवाददाता

नैनीताल जिले के रामगढ़ रोड भवाली निवासी तथा वर्तमान में पिथौरागढ़ जनपद में स्थित राजकीय महाविद्यालय गणाई गंगोली में राजनीति विज्ञान की असिस्टेंट प्रोफेसर शीतल आर्या का लेख- बॉर्डर, टेरिटरी एंड जियोपॉलिटिस्- ए केस स्टडी ऑफ कालापानी बॉर्डर इश्यू बिटवीन इंडिया एंड नेपाल एंड इट्स इमप्लीकेशंस शीर्षक से मनोहर पब्लिकेशन्स द्वारा प्रकाशित पुस्तक द हिमालयन व्हिस्परिंग्स में शामिल किया गया है।

सुश्री शीतल आर्या के मुताबिक यह शोध कार्य कालापानी सीमा विवाद के ऐतिहासिक, भौगोलिक और भू राजनीतिक आयामों का गहन विश्लेषण प्रस्तुत करता है जो समकालीन सीमा अध्ययनों और रणनीतिक विमर्श के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है इसके अतिरिक्त एंकरिंग ट्रस्ट, नेबिगेटिंग चैलेंजेज इंडिया ऐट द हेल्म ऑफ आईओआरा शीर्षक से उनका एक लेख अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हुआ है जिसमें भारत की विदेश नीति और कूटनीतिक संतुलन पर सारगर्भित दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया है, साथ ही दिसंबर 2025 में उनकी टिप्पणी 25 ईयर्स ऑफ ट्रस्ट पुतिन्स विजिट मार्कर्स ए माइलस्टोन भी प्रकाशित हुआ, जिसमें भारत-रूस संबंधों की निरंतरता, विश्वास और रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्षों की यात्रा का विश्लेषण किया गया है।

बता दें सुश्री शीतल आर्या की यह कामयाबी न केवल राजकीय महाविद्यालय गणाई गंगोली बल्कि पूरे पिथौरागढ़ जनपद और उत्तराखंड के लिए गर्व का विषय है।

नोट

समाचार पत्र में छपे लेख, पत्र व अन्य कालमों में लेखकों के विचार होते हैं, उनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

-संपादक

पूर्व प्रधान संपादक:
स्व. वेदप्रकाश गुप्ता
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
श्रीमती आदेश अग्रवाल द्वारा
उत्तरांचल दीप प्रेस
चंद्रकाता हाउस, नैनीताल रोड
हल्द्वानी से मुद्रित एवं प्रकाशित
संपादक- श्रीमती आदेश अग्रवाल
प्रबंध संपादक- साकेत अग्रवाल
दूरभाष : 05946-224556
फैक्स:05946-283801
e-mail: Uttaranchaldeep@gmail.com
www.dainikuttaranchaldeep.com
आरएनआई नं. UTTHIN/ 2009/ 32558
समस्त विवाद हल्द्वानी न्यायालय के अधीन होंगे।
संस्थापक: स्व. मुन्ना बाबू राजपूत

जिला अस्पताल नैनीताल में बालरोग विशेषज्ञ न पहुंचने से मरीज परेशान

नैनीताल

हमारे संवाददाता

नैनीताल के राजकीय बी.डी. पांडे जिला अस्पताल में बुधवार को बाल रोग विशेषज्ञ के न पहुंचने से मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा, वहीं बीमार बच्चों को अस्पताल लेकर पहुंचे परिजनों को बिना उपचार के ही वापस लौटना पड़ा।

बता दें कि नैनीताल के राजकीय बी.डी. पांडे जिला अस्पताल में रोजाना 60 से 70 बीमार बच्चे उपचार के लिए पहुंचते हैं। कभी- कभी यह संख्या 100 तक भी पहुंच जाती है। जिनके उपचार के लिए अस्पताल में तीन बाल रोग विशेषज्ञों के पद स्वीकृत हैं लेकिन इन दिनों अस्पताल में दो बाल रोग विशेषज्ञों के पद रिक्त हैं वहीं अस्पताल में तैनात एकमात्र बाल रोग विशेषज्ञ इन दिनों छुट्टी पर हैं जिसके चलते अस्पताल प्रबंधन की ओर से अन्य अस्पतालों से डाक्टरों को बुलाकर व्यवस्थाएं बनाई जा रही हैं लेकिन बुधवार को बाल रोग विशेषज्ञ के अस्पताल न पहुंचने पर लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। अस्पताल में बीमार बच्चों को लेकर पहुंचे लोग देर तक डाक्टर का इंतजार करते रहे लेकिन जब देर तक डाक्टर नहीं पहुंचे और स्टाफ से डाक्टर के न आने की सूचना मिली तो उनको बिना उपचार के ही लौटना पड़ा। मामले में जिला अस्पताल की प्रभारी पीएमएस डॉ. द्रोपदी गर्विवाल ने बताया कि किसी कारणवश डाक्टर बुधवार को अस्पताल नहीं पहुंच पाए। वीरवार (आज) से बाल रोग विशेषज्ञ अस्पताल में लगातार मौजूद होंगे।

जिले के सभी निकायों व बलाकों में जन्म मृत्यु प्रमाण पत्रों की लंबित प्रकरणों की संख्या पहुंची जीरों

नैनीताल । नैनीताल जिले में जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के लंबित प्रकरणों को निस्तारण को गंभीरता से लेते हुये जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने जनपद के सभी उपजिलाधिकारियों/ पंजीकरण अधिकारियों/ रजिस्टार एवं स्थानीय निकायों को कड़े निर्देश दिये गए थे। जिलाधिकारी रयाल ने सभी उपजिलाधिकारी एवं तहसीलदार एवं स्थानीय निकायों के अधिकारियों को आवेदनों का त्वरित निस्तारण प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिये थे ताकि आमजनता को सरकारी रिकार्ड में दर्ज होने और सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ मिल सके। जिलाधिकारी द्वारा दिए गए निर्देशानुसार जनपद के सभी निकायों एवं विकास खण्डों में जन्म मृत्यु प्रमाण पत्रों की लंबित प्रकरणों की संख्या शून्य हो गई है। जिला प्रशासन की ओर से जारी सूचना के मुताबिक माह दिसंबर 2025 में जनपद में मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु कुल 272 आवेदन प्राप्त हुए सभी आवेदकों को मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर दिए गए हैं।

धारी व रामगढ क्षेत्रों के दुग्ध संग्रह केन्द्रों पर दूध पहुंचाने के समय में किया बदलाव

नैनीताल

हमारे संवाददाता

आदमखोर वन्यजीव की सक्रियता को देखते हुए जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने जिले के तहसील धारी एवं रामगढ के क्षेत्रों के दुग्ध संग्रह केन्द्रों पर दूध पहुचाने का समय प्रात:6 से 7 बजे के स्थान पर प्रात:7 से 8 बजे निर्धारित किया है।

जिलाधिकारी ने पर्वतीय क्षेत्रों में आदमखोर वन्यजीव की सक्रियता के दृष्टिगत ग्रामीणों द्वारा दूध को दुग्ध संग्रह केन्द्रों तक पहुचाने के दौरान जानमाल की सुरक्षा को गंभीरता से लेते हुये महाप्रबन्धक दुग्ध संघ लालकुआं को निर्देश दिये हैं। उन्होंने महाप्रबन्धक दुग्ध संघ को इस परिवर्तन की सूचना सभी संबन्धित दुग्ध समितियों तथा संग्रह केन्द्रों प्रभारियों तथा दुग्ध उत्पादकों को लिखित एवं मौखिक के माध्यम से तत्काल अनिवार्य रूप से प्राथमिकता के साथ मुहैया कराना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी रयाल ने स्थानीय प्रशासन, वन विभाग एवं दुग्ध समितियों के मध्य समन्वय स्थापित करते हुए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिये हैं। उन्होंने महाप्रबन्धक दुग्ध संघ लालकुआं को निर्देश दिये हैं कि यह व्यवस्था आगामी आदेशों तक प्रभावी रहेगी साथ ही उक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन कराना भी सुनिश्चित करेंगे।

अभिमत

साक्षात जंगलराज!

वन्यजीवों पर नियंत्रण के लिए जिम्मेदार वन विभाग में साक्षात जंगलराज है। आधुनिक उपकरण, हथियार और आवश्यक संसाधनों का अभाव है। रात को किसी वन्यजीव को ट्रैंक्युलाइज करने के लिए ट्रैंक्युलाइज गन पर पेंसिल टॉर्च बांधकर काम चलाया जा रहा है। नाइट विजन या गाइडेड ट्रैंक्युलाइज गन, ड्रोन, पिंजरे, कैमरा ट्रैप जैसे उपकरणों की भारी कमी है। पूरे राज्य में वन विभाग के पास पांच वेटनरी डाक्टर हैं, जो देहरादून, नैनीताल, हरिद्वार, उधमसिंह नगर में हैं। राज्य के अन्य जिलों में डाक्टर नहीं हैं।

वन्यजीव और मानव संघर्ष कोई नया नहीं है। उत्तराखंड में पिछले कुछ माह में अनेक लोग वन्यजीव के शिकार हो चुके हैं। परिस्थिति इतनी चिंताजनक है कि एक सप्ताह में तीन लोगों की जान वन्यजीवों ने ले ली। पिछले दो माह में एक दर्जन लोग वन्यजीवों का शिकार बन चुके हैं। बच्चे पढ़ रहे थे और वन्यजीव स्कूल में आ गया। बच्चों ने स्कूल जाना छोड़ दिया। वन्यजीवों पर नियंत्रण के लिए जिम्मेदार वन विभाग में साक्षात जंगलराज है। आधुनिक उपकरण, हथियार और आवश्यक संसाधनों का अभाव है। रात को किसी वन्यजीव को ट्रैंक्युलाइज करने के लिए ट्रैंक्युलाइज गन पर पेंसिल टॉर्च बांधकर काम चलाया जा रहा है। नाइट विजन या गाइडेड ट्रैंक्युलाइज गन, ड्रोन, पिंजरे, कैमरा ट्रैप जैसे उपकरणों की भारी कमी है। पूरे राज्य में वन विभाग के पास पांच वेटनरी डाक्टर हैं, जो देहरादून, नैनीताल, हरिद्वार, उधमसिंह नगर में हैं। राज्य के अन्य जिलों में डाक्टर नहीं हैं। हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। सरकार करोड़ों का बजट देने का दावा कर रही है। इन परिस्थितियों में वन्यजीवों से सिर्फ राज्य के सामान्य नागरिक असुरक्षित नहीं हैं, बल्कि वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की जान को भी जोखिम है। रेंजर स्तर के अधिकारियों को गश्त के लिए कैंपर दिये गये हैं, जो मालवाहक वाहन हैं और मनुष्य के बैठने के लिए सुरक्षित नहीं हैं। उधर वन मंत्री का कहना है कि बजट देने के साथ अधिकारियों को उपकरण खरीदने के निर्देश दिये गये हैं। इस मामले में एक बात तो साफ है कि सरकार और विभाग के अधिकारियों के बीच तालमेल नहीं है। पर्वतीय क्षेत्र में पशुओं के लिए घास और पेड़ की पत्तियां काटने को जंगल जाना पड़ता है। चूल्हे में जलाने की लकड़ियां भी जंगल से लानी पड़ती हैं। ग्रामीण लोग वन्यजीव के प्रति सतर्कता बरतते हैं। वन्यजीव होने की आशंका वाले क्षेत्र में नहीं जाते हैं। जंगल के समीप आबादी क्षेत्र में वन्यजीव घर में घुसकर हमला कर रहे हैं। घर के आंगन से बच्चे और पशुओं को उठा ले जाते हैं। नरभक्षी वन्यजीव को पिंजरे में पकड़ने अथवा मारने का अंतिम उपाय वन विभाग को करना पड़ता है। वन विभाग के पास संसाधन पर्याप्त होने पर ही सुरक्षा संभव है। वन्यजीवों का हमलावर होने का एक कारण वन क्षेत्र में अतिक्रमण करके होटल, रिसॉर्ट्स और अन्य निर्माण कार्य है। वन्यजीवों के स्वच्छंद विचरण में बाधा डालने से वह हिंसक हो रहे हैं। संसाधन के अभाव में भी वन विभाग के कर्मचारी अपनी निगरानी में जंगल से घास काटने वालों की सुरक्षा कर रहे हैं।

दूषित पेयजल की शिकायतों को लेकर समीक्षा

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

कई इलाकों में दूषित पेयजल आपूर्ति की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए कुमाऊं आयुक्त एवं सचिव मुख्यमंत्री दीपक रावत ने बुधवार को हल्द्वानी कैम्प कार्यालय में संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थिति की समीक्षा की। बैठक में गौला नदी से हल्द्वानी को आपूर्ति किए जा रहे मटमैले पानी की समस्या पर विशेष रूप से चर्चा की गई।

आयुक्त ने जल संस्थान, राजकीय सिंचाई विभाग और जमरानी बांध परियोजना के अधिकारियों को निर्देश दिए कि आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध सुधार कार्य सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने कहा कि बलियानाला ट्रीटमेंट परियोजना और बहुउद्देश्यीय जमरानी बांध परियोजना दीर्घकालिक योजनाएं हैं, जिनके तहत वर्ष 2029 तक शहर को निरंतर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना लक्ष्य है। वर्षा ऋतु में टर्बिडिटी की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए अग्रिम तैयारियां करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक के बाद आयुक्त दीपक रावत ने शीशमहल स्थित पेयजल फिल्टरेशन प्लांट का निरीक्षण किया।

उन्होंने जल शुद्धिकरण प्रक्रिया, क्लोरीन व फिटकरी के उपयोग और परीक्षण व्यवस्था का जायजा लेते हुए मानकों का कड़ाई से पालन और समुचित डॉक्यूमेंटेशन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीसीटीवी कैमरों की खराब स्थिति पर नाराजगी जताते हुए अधीक्षण अभियंता जल संस्थान को तुरंत अतिरिक्त कैमरे लगाकर निगरानी व्यवस्था मजबूत करने के आदेश दिए गए। आयुक्तने स्पष्ट किया कि पेयजल की गुणवत्ता और सुरक्षा में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आम नागरिकों को हर हाल में सुरक्षित व स्वच्छ पानी उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

निरीक्षण के दौरान सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता संजय शुक्ला, अधीक्षण अभियंता जल संस्थान विशाल सक्सेना, जमरानी बांध परियोजना के महाप्रबंधक महेश कुमार खरे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

भवन में पेंटिंग करने के दौरान सीढ़ी से गिरा पेंटर, पैरों की एड़ियां फैक्चर

नैनीताल। नैनीताल के समीप कैंची धाम क्षेत्र में पेंटिंग का काम रहा रहा मजदूर सीढ़ियों से गिरकर घायल हो गया। पैर के बल गिरने से उसकी दोनो एड़ियां बुरी तरह फट गई। राजकीय बी.डी. पांडे अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया है।

जानकारी के अनुसार रामपुर निवासी 27 वर्षीय विनोद कैंची धाम क्षेत्र स्थित भवन के बाहर पेंटिंग का काम कर रहा था। बाहर की तरफ सीढ़ी लगाकर पेंटिंग करने के दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया। जिससे वह करीब बीस फीट की ऊंचाई से पैरों के बल फ श र्श पर गिर गया। गिरते ही उसके दोनों पैरों की एड़ियां फट गईं। आनन-फ ानन मजदूर उसे बीडी पांडे अस्पताल ले आये। जहां एक्सरे जांच में दोनों एड़ियों में कई फेक्चर होने की पुष्टि हुई। मामले में डा. ममता पांगती ने बताया कि मरीज को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

74वा विशाल कुश्ती दंगल प्रतियोगिता मे विजेता रहे काशीपुर के अवतार, विधायक ने किया सम्मानित

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

गुरुद्वारा श्री सिंह सभा एवं ग्राम सभा बिंदुखेड़ा के तत्वाधान मे आयोजित 74वा विशाल कुश्ती दंगल मेले का आयोजन बिंदुखेड़ा गांव मे हर वर्ष की भाति इस वर्ष भी हुआ।

इस प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि विधायक शिव अरोरा पहुंचे । उन्होंने कुश्ती दंगल में प्रतिभागियों से परिचय कर कुश्ती दंगल का शुभारंभ किया। 12 राज्यों के 115 से भी अधिक पहलवान अपनी किस्मत आजमाने दंगल प्रतियोगिता मे भाग लेने पहुँचे।कुश्ती दंगल का फाइनल मुकाबला काशीपुर व दिल्ली के पहलवान के बीच हुआ। इस दौरान विधायक ने कहा कि बिंदुखे ड़ा दंगल प्रतियोगिता हर वर्ष की भाति इस वर्ष भी भव्य आयोजन हुआ जो पिछले 74 साल से आयोजित होता आ रहा है जिसको आयोजन करते हुऐ सिंह सभा कमेटी को दशकों बीत गए। जिसकी लोकप्रियता इतनी अधिक है कि इसमें 12 राज्यों के 100 से अधिक पहलवानों

ने भाग लिया वह बड़ी संख्या में आसपास के लोग इसको देखने आए। दंगल अपने आप में कितना आकर्षक और शानदार होता है दंगल के मैदान में दो पहलवानों के बीच जीत हमेशा एक ही होती है,लेकिन खेल भावना से हम कुछ सीखने में आगे बढ़ाने की प्रेरणा मिलती है। वहीं फाइनल मुकाबले में काशीपुर के पहलवान अवतार सिंह विजेता व दिल्ली के पहलवान आसिफ उपविजेता रहे।74वें दंगल प्रतियोगिता में विजेता रहे काशीपुर के अवतार सिंह को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। उन्होंने ऐतिहासिक 74वें दंगल प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु कमेटी के सभी सदस्यों को शुभकामनाएं।

मुख्य रूप से उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, तेलंगाना आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों के पहलवान रहे शामिल। यहां भारतभूषण चुघ, ग्राम प्रधान कावल सिंह, अमरजीत सिंह बीडीसी, हरभजन सिंह,जसपाल सिंह, सोना सिंह, हरप्रीत सिंह, बलकार सिंह, प्रीतम सिंह, हरपाल सिंह, प्रतिम सिंह, जीतेन्द्र संधू, मनोज मदान सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

फिल्मी दुनिया

अपने परिवार की रक्षा के लिए क्रूर समुद्री डाकू बनीं प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा की आगामी फिल्म द ब्लफ का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इसमें प्रियंका चोपड़ा मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म 25 फरवरी को स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। प्रियंका चोपड़ा जोनस की नई अंतरराष्ट्रीय फिल्म द ब्लफ का ऑफिशियल ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म में प्रियंका, कार्ल अर्बन के साथ जबरदस्त एक्शन करती नजर आईं। ट्रेलर में पहली बार उनके किरदार एर्सेल ब्लडी मैरी बॉडेन की झलक दिखाई गई है। द ब्लफ के ट्रेलर में प्रियंका एक खूंखार महिला समुद्री डाकू (पाइरेट क्वीन) के रूप में नजर आ रही हैं। उनके शरीर पर जख्म के निशान हैं, खून से सनी लड़ाइयां हैं, और बहुत शानदार एक्शन सीन हैं। वो समुद्र में हिंसक झड़पों में हिस्सा लेती हैं और आमने-सामने की लड़ाई करती हैं। प्रियंका का यह एक्शन अवतार उनके फैंस को बेहद पसंद आ रहा है।

द ब्लफ की कहानी पुरानी पाइरेट फिल्मों से अलग है। इसमें जिंदगी बचाने की जंग, सत्ता की लड़ाई और बहुत तगड़ा संघर्ष दिखाया गया है। एर्सेल अपना नया जीवन बचाने की कोशिश करती है, लेकिन उसका पुराना अतीत वापस आ जाता है। पुराना दल लौट आता है, तो उसे वफादारी और जिंदा रहने की मुश्किलों से जूझना पड़ता है। उसे फिर से पुराने हिंसक तरीकों का सहारा लेना पड़ता है।

कब रिलीज होगी द ब्लफ?

द ब्लफ के निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर ट्रेलर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, इसका अंत खून से सनी रेत के साथ ही होगा। द ब्लफ 25 फरवरी को प्राइम वीडियो पर आ रही है। फिल्म में एक्शन, ड्रामा और थोड़ा डार्क ह्यूमर का मिश्रण है। यह एक दमदार और क्रूर समुद्री डाकू थ्रिलर है, जो 25 फरवरी को सिर्फ प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

नैनीताल के पत्रकार रितेश सागर का निधन

नैनीताल

हमारे संवाददाता

नैनीताल में लगभग 12 वर्षों से पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य कर चुके पत्रकार रितेश सागर की बुधवार के सुबह निधन होने की खबर से नगर में शोक की लहर छा गयी।

जानकारी के मुताबिक पत्रकार रितेश सागर लगभग पांच माह से अस्वस्थ चल रहे थे। काफ ी समय से उनका उपचार ऋषिकेश एमस से चल रहा था, फि र कुछ समय तक रितेश अपना उपचार हल्द्वानी से करा रहे थे। जहां उन्होंने बुधवार को अंतिम सांस ली। वह अपने पीछे माता-पिता व एक छोटे भाई को रोता बिलखता छोड़ गए हैं। बता दें बुधवार की सुबह हल्द्वानी से उनके शव को नैनीताल उनके आवास लाया गया है बाद में उनका शव अंतिम संस्कार हेतु दोपहर 12 बजे उनके निवास से प्रस्थान कर पाइंस घाट में ले जाया गया जहां हिन्दू रीति के अनुसार उनका अंतिम संस्कार किया गया। पत्रकार के साथ ही रंगकर्मी तथा अधिवक्ता रितेश सागर (48) के निधन पर नगर के समस्त पत्रकारों, रंगकर्मियों व अधिवक्तों के साथ अधिकारियों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। दूसरी ओर कुमाऊं विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (कूटा) ने भी पत्रकार रितेश सागर के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है । कूटा की तरफ से अध्यक्ष प्रो. ललित तिवारी समेत पूरे कूटा परिवार ने दुःख जताया है,वहीं श्री राम सेवक सभा के अध्यक्ष मनोज साह तथा महासचिव जगदीश चंद्र बवाड़ी ने भी गहरा दुःख व्यक्त किया है। वहीं प्रभारी जिला न्यायाधीश नैनीताल की अध्यक्षता में हुई बैठक (रैफर्रेंस) में जिला बार एसोसिएशन नैनीताल के वकील रितेश सागर के निधन पर शोक प्रस्ताव पारित किया गया।

News कॉर्नर

सिद्धपीठ चित्रेश्वर महादेव पौराणिक शिवालय में विविध धार्मिक अनुष्ठान

नैनीताल । मकर संक्रांति के पावन पर्व पर बुधवार को जिले के सिद्धपीठ चित्रेश्वर महादेव पौराणिक शिवालय में सुबह से ही श्रद्धालुओं द्वारा पूजा पाठ का सिलसिला दिनभर रहा। नैनीताल के समीपवर्ती गेठिया निवासी आचार्य पंडित प्रकाश चंद्र जोशी के मुताबिक यहां के जियारानी मंदिर में भी श्रद्धालु दर्शन हेतु पहुंचे। बुधवार को सर्वार्थ सिद्धि योग एवं अमृत सिद्धि योग के शुभ संयोग के अलावा मकर संक्रांति एवं षटतिला एकादशी व्रत का भी महासंगम था। यहां के जिया रानी गुफा में भी भीड़ को देखते हुए लंबी कतार में खड़े लोग चार-चार करके क्रम से गुफा में प्रवेश कराया गया। जनेऊ संस्कार एवं चूड़ाकरण संस्कार भी दिनभर होते रहे।

श्री राम सेवक सभा का आज विशेष खिचड़ी भोज आयोजन

नैनीताल । नगर की प्रतिष्ठित धार्मिक संस्था श्री राम सेवक सभा परिवार की ओर से विगत वर्षों की तरह इस वर्ष माघ मास के पवित्र अवसर पर होने वाले विशेष खिचड़ी भोज का आयोजन वीरवार (आज) को अपरान्ह एक बजे से सभा भवन किया जाएगा। सभा के अध्यक्ष मनोज साह तथा महासचिव जगदीश चंद्र बवाड़ी ने यह जानकारी दी। दोनों पदाधिकारियों ने सभी को खिचड़ी भोज में आमंत्रित किया है। पदाधिकारियों के मुताबिक बुधवार को एकादशी होने के कारण यह भोग वीरवार (आज) आयोजित किया जा रहा है।

उत्तरायणी कौतिकः उत्तराखंड की संस्कृति में रंगे लोग

हल्द्वानी
हमारे संवाददाता

उत्तरायणी मेला एवं मकर संक्रांति के अवसर पर पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच की ओर से मंगलवार को हल्द्वानी शहर में भव्य सांस्कृतिक शोभायात्रा निकाली गई।

शोभायात्रा में कुमाऊं की लोक संस्कृति, परंपराओं और पर्व-त्योहारों की जीवंत झलक देखने को मिली। सड़कों के दोनों ओर खड़े लोगों ने पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। शोभायात्रा की शुरुआत हीरानगर स्थित पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच परिसर से गोल्ल्यू देवता के जयकारों के साथ हुई। संरक्षक हुकुम सिंह कुंवर, अध्यक्ष खड़क सिंह बगडवाल सहित मंच के पदाधिकारियों ने विधिवत यात्रा को रवाना किया।

यात्रा कालाढूंगी रोड, नैनीताल रोड, रोडवेज बस स्टेशन चौराहा, तिकोनिया, प्रेम सिनेमा, स्टेशन रोड, रेलवे बाजार, नया बाजार, मीरा मार्ग, सिंधी चौराहा और कालाढूंगी चौराहा होते हुए पुनः उत्थान मंच परिसर में समाप्त हुई।

हजारों की संख्या में शहरवासियों ने शोभायात्रा में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसमें बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों की उल्लेखनीय सहभागिता रही। सांस्कृतिक शोभायात्रा में श्री केदारनाथ, नंदा देवी, जागर, भैरव पूजा, सातूं-आठूं पर्व सहित करीब 30 मनमोहक झांकियां इस बार शामिल हुईं जिन्होंने कुमाऊं और गढ़वाल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया। कुमाऊं के लोकदेवता गोल्ल्यू के अल्मोड़ा स्थित चितई मंदिर के प्रतिरूप वाली झांकी लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रही। सीमांत बरपटिया (ज्येष्ठरा) जनजाति उत्थान समिति, मुनस्यारी की झांकी ने विशेष रूप से सभी का मन मोह लिया। इधर, नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा ढोल-दमाऊ बजाते हुए प्रस्तुत उत्साहपूर्ण प्रदर्शन ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। कुमाऊंनी परिधान और पिछौड़ा ओढ़े महिलाओं के समूह ने झोड़ा नृत्य प्रस्तुत किया, जबकि पुरुषों के समूह ने वाद्य यंत्रों की धुन पर छलिया नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति दी।

इस मौके पर मंच के संरक्षक हुकुम सिंह कुंवर, अध्यक्ष खड़क सिंह बगडवाल, उपाध्यक्ष गोपाल सिंह बिष्ट, सचिव देवेंद्र तोलिया, कोषाध्यक्ष त्रिलोक बनोली, लक्ष्मण सिंह लमगड़िया, पूर्व सांसद, डा. महेंद्र पाल सिंह, कैलाश जोशी, हेम भट्ट, शोभा बिष्ट, चंद्रशेखर परगाई, भुवन जोशी, नीरज बगडवाल, ललित बिष्ट, जे. ललित प्रसाद धर्म सिंह बिष्ट, ब्रजमोहन बिष्ट, संदीप भैंसोड़ा, कमल किशोर, रितिक आर्य, तरुण नेगी, पार्षद मनोज जोशी, पार्षद शैलेंद्र दानू, तारा चंद्र गुरानी, भगवान सिंह गंगोला, कार्यवाह अध्यक्ष दिनेश जोशी, महामंत्री रवि दुर्गापाल, अरविन्द मलिक,अनुराग वर्मा, शाहबेज खान, सुशील शर्मा, एम हसनैन, प्रवीण चोपड़ा,गिरीश गोस्वामी, मनोज पांडेय,सलीम खान, आशुतोष कोकिला आदि मौजूद रहे।

पुरस्कार वितरण के साथ समापन होगा

शोभायात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर कलाकारों का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। घरों की छतों और सड़कों के किनारे खड़े लोग संस्कृति की इस अनुपम झलक को निहारते रहे। उत्तरायणी मेले के आठवें दिन निकली इस शोभायात्रा ने हल्द्वानी को कुमाऊं की लोकसंस्कृति के रंगों से सराबोर कर दिया। वहीं देर सायं सांस्कृतिक संध्या में सूरज प्रकाश और पवन कार्की के गीतों ने जमकर धमाल मचाया। लोगों उनके गीतों पर जमकर झूम उठे। पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच में चल रहे उत्तरायणी महोत्सव का आज गुरुवार को पुरस्कार वितरण के साथ समापन होगा।

प्रेस क्लब ने किया रैली का भव्य स्वागत

प्रेस क्लब हल्द्वानी द्वारा आज उत्तरायणी पर्व शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया व रैली में शामिल सभी लोगों को जल व फल वितरण किया गया। प्रेस क्लब सदस्यों ने सभी को मकर संक्रांति और घुघुतिया त्यौहार की शुभकामनायें दी। कार्यक्रम में मुख्य संरक्षक कैलाश जोशी,संरक्षक रजा श्रीवास्तव, पुष्पा सम्भल, हेमंत बगडवाल, हरीश मेहता, पंकज सुयाल समेत हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे।

लोगों ने श्रद्धालुओं को खिचड़ी प्रसाद वितरित किया

नैनीताल
हमारे संवाददाता

उत्तरायणी/मकर संक्रांति के पावन अवसर पर रानीबाग स्थित जिया रानी शीला गुफा और चित्रशिला घाट पर श्रद्धालुओं ने भारी संख्या में संगम में स्नान किया और ऐतिहासिक मेले में शिरकत की।

वहीं दूसरी ओर भीमताल के ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश सिंह बिष्ट ने इस अवसर पर रानीबाग और आसपास के क्षेत्रों में विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों द्वारा खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। प्रमुख डॉ. बिष्ट के साथ जनप्रतिनिधियों ने श्रद्धालुओं को खिचड़ी प्रसाद वितरित किया। प्रमुख डा.बिष्ट ने कहा यह पौराणिक मेला है, इसे बेहतर बनाने के लिए आगामी वर्षों में बेहतर कार्य करेंगे ताकि आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिले, इसके लिए प्रयास रहेगा साथ ही सभी लोगों से बुराई छोड़ अच्छाई की ओर कदम बढ़ाने के लिए संकल्प लेने की अपील की। प्रमुख ने कहा यह स्थल तराई पहाड़ का संगम है राज्य सरकार मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से इस मेले को भव्य ओर सुव्यवस्थित बनाने के लिए सुविधाओं की मांग करेंगे ताकि यह मेला भी बागेश्वर की तर्ज पर आयोजित हो। मकर संक्रांति उत्तरायणी पर भारी संख्या में आए श्रद्धालुओं ने जनेऊ संस्कार भी कराए। प्रमुख डा.बिष्ट ने कहा कि रानीबाग का यह मेला कुमाऊंनी संस्कृति की प्रतीक रानी जिया (जिन्हें कुमाऊं की लक्ष्मीबाई) भी कहा जाता है की स्मृति में आयोजित होता है। कुमाऊं और गढ़वाल के कत्यूरी वंशज रानीबाग चित्रशिला धाम में अपनी कुलदेवी जियारानी के दर्शन कर उनकी याद में रात भर पूजा कर जागर लगाई। कुमाऊं और गढ़वाल के विभिन्न हिस्सों से रानीबाग स्थित चित्रशिला धाम पहुंचे कत्यूरी वंशजों ने मंगलवार शाम अपनी आराध्या और कुलदेवी जियारानी की गुफा के दर्शन किए, उनकी याद में रात भर पूजा कर जागर लगाई। यहां ग्राम प्रधान कलावती थापा, जया चौहरा, महेश भंडारी,चंदन नौगाई,रमा पांडे,आनंद कुजरवाल, भुवन लाल साह, मनीष गोनी, प्रकाश बृजवासी, महेंद्र कुमार, धीरेन्द्र बिष्ट, गोविंद नेगी, महेंद्र कुंवर, आशा भंडारी, सुमन बिष्ट, तारा बिष्ट, भगवती बिष्ट, मनोज, अंजना साह, धीरेन्द्र जीना तथा कमल कुल्याल आदि उपस्थित रहे।

कौवों की कांव-कांव में बसती कुमाऊं की सदियों पुरानी लोककथा

उत्तरांचल दीप
अफ़ज़ल हुसैन फौजी

उत्तराखंड की लोकसंस्कृति में घुघुती त्यौहार को विशेष स्थान प्राप्त है. इसे कुमाऊं संस्कृति का सबसे बड़ा और अनोखा पर्व माना जाता है, जो मकर संक्रांति के अगले दिन बड़े हर्षोल्लास और परंपरागत उल्लास के साथ मनाया जाता है। इस पर्व की शुरुआत बागेश्वर से मानी जाती है, जहां आज भी इसकी झलक सबसे जीवंत रूप में देखने को मिलती है। समय के साथ यह परंपरा अल्मोड़ा, नैनीताल, हल्द्वानी सहित पूरे कुमाऊं अंचल में फैल गई है।

घुघुती त्यौहार केवल एक पर्व नहीं, बल्कि लोककथा, संगीत,

बागेश्वर से नैनीताल तक संस्कृति का अंकनआ संगम

आस्था और मिठास का संगम है. इस दिन विशेष रूप से 'घुघुती' नामक पारंपरिक पकवान बनाया जाता है, जो आटे और गुड़ को मिलाकर कुमाऊं शैली में तैयार की जाती है. इन घुघुति को तेल में तलकर लंबी माला के रूप में पिरोया जाता है, जिसे बच्चे गले में पहनते हैं।

सुबह-सुबह बच्चे घुघुती की माला पहनकर पारंपरिक गीत गाते हैं, और कौवे को बुलाते हैं, काले कौवा काले, घुघुती माला खाले. साथ ही कौवे को पूड़ी, प्रसाद अर्पित किया जाता है। कुमाऊं के बागेश्वर में इस दिन सूर्य को जल अर्पित करने की भी विशेष परंपरा है. घुघुती त्यौहार आज भी कुमाऊं की लोकआस्था, प्रकृति प्रेम और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक बना हुआ है।- डॉ. ललित तिवारी (प्रोफेसर, डीएसबी परिसर नैनीताल)

घुघुति त्यौहार से जुड़ी है लोककथा

घुघुती पर्व के पीछे एक बेहद भावुक लोककथा जुड़ी है. मान्यता है कि चंद वंश के राजा कल्याणचंद नि:संतान थे. उन्होंने बागनाथ मंदिर में तप और दान-पुण्य किया, जिसके फलस्वरूप उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई, जिसका नाम निर्भयचंद रखा गया और वही आगे चलकर 'घुघुतिया' कहलाए. राजमहल के एक मंत्री ने षड्यंत्र रचकर राजकुमार को मारने की कोशिश की और उसे जंगल ले गया. राजकुमार के रोने की आवाज सुनकर कौवों ने मंत्री पर हमला कर दिया. एक कौवे ने राजकुमार के गले से घुघुती की माला निकालकर राजमहल के द्वार पर टांग दी, जिससे रानी ने अपने पुत्र को पहचान लिया और जंगल जाकर उसे सुरक्षित घर ले आईं. इसके बाद मंत्री को कठोर दंड दिया गया. इसी घटना के बाद मकर संक्रांति के अगले दिन कौवों को बुलाने और उन्हें घुघुती खिलाने की परंपरा शुरू हुई।